भारत की सभी समस्याओं का अन्त

सिस्टम चेन्ज

श्री बृम्हांड नायक चंरण वंदना

अदालत के फैसले पवित्र धार्मिक ग्रन्थों पर

समस्या अदालत के फैसले पवित्र धार्मिक ग्रन्थों पर

1. आज हमारे भारत में । सच और झूठ का फैसला । अदालत मे होता है ।
2. न्याय की देवी । सिर्फ सुन सकती है । देख नही सकती । क्योंकी ऑखों मे पट्टी बंधी है ।
3. न्याय की देवी । सिर्फ वकीलों के । सबूतों । और गवाहों की । आवाज सुनती है । आम जनता की आवाज नही सुनती ।
4. वकील का काम होता है । अदालत के सामने । केस की सच्चाई लाना ।
5. लेकिन आज रिस्वत खोरी । और भ्रष्टाचार के । बहाव मे वकील । मुवक्किल को किसी भी तरह जिताने की कोशिश करता है ।
6. भले ही सच्चे झूंठे सबूतों । और सच्चे झूंठे गवाहों की आवाज । न्याय की देवी को सुनाना पडे ।
7. अदालत यह बात जानती है । कि वकील । सच्चे झूंठे सबूत । और सच्चे झूंठे गवाह । अदालत के सामने पेश करता है ।
8. तब अदालत के पास । सच्चाई उगलवाने का । कोई पर्याय नही होता है ।
9. अदालत भी । यही चाहती है । कि सच्चाई सामने आये । लेकिन कैसे । अदालत यहां पर मजबूर हो जाती है ।
10. तब अदालत । सच्चाई सामने लाने के लिए । पवित्र । धार्मिक ग्रन्थों के । कसम की । मदद लेती है ।
11. लेकिन फिर भी । कभी कभी रिस्वत खोरी । और भ्रष्टाचार के कारण । सच्चाई सामने नही आती ।
12. तब अदालत । मजबूर होकर । सच्चा झूंठा फैसला सुनाकर । फाइल बन्द कर देती है ।
13. धार्मिक ग्रन्थ । श्री मद् भागवत गीता । हिन्दू धर्म की । श्री कुरान । मुसलिम धर्म की । श्री बाइबल । इसाई धर्म की । श्री गुरू साहेब ग्रन्थ । सिख धर्म की ।
14. ये चारो धार्मिक ग्रन्थ । चारो धर्मो के महान पवित्र ग्रन्थ हैं ।
15. सच्चाई उगलवाने के लिए । पवित्र धार्मिक ग्रंथों पर हाँथ रखवा कर । पवित्र धार्मिक ग्रंथों की कसम देकर । सच्चाई उगलवाने की कोशिश करना । सही नही है ।
16. इससे पवित्र धार्मिक ग्रन्थों का । अपमान होता है ।

क्योंकी पहला

1. यदि मुजरिम । इन धार्मिक ग्रन्थों के । बताये रास्ते पर । चलता होता । तो वह । कोई गुनाह ही नही करता ।
2. उसकी नजर मे । धार्मिक ग्रन्थों मे । बताये गये रास्तों का । कोई मान नही होता ।

Copy Right Diary Number 3968/2015-CO/L

3. वह इन धार्मिक ग्रन्थों को । रद्दी की किताब समझता है ।
4. ऐसा व्यक्ति । इन धार्मिक ग्रन्थों मे । हाँथ रख कर । कसम खाकर । कैसे सच बोल सकता है
5. जबकी । उसकी नजर मे । इन धार्मिक ग्रन्थों की । कोई कीमत ही नही है ।
6. मुजरिम तो । अपने बचाव मे । झूँठ ही बोलेगा ।
7. इस कारण भी । सच्चा न्याय होने की । सम्भावनायें कम है । इसीलिए

<u>सच्चाई उगलवाने के लिए पवित्र धार्मिक ग्रंथों की मदद लेना । सही नही है । इससे पवित्र धार्मिक ग्रन्थों का अपमान होता है ।</u>

दूसरा

1. यह जरूरी नही है । कि गवाह । पवित्र ग्रन्थों पर । हाँथ रख कर । सच ही बोलेगा ।
2. गवाह । बिकता भी है । गवाह पर परिवारिक । समाजिक । राजनीतिक । दबाव भी होता है ।
3. गवाह को जान का भी । खतरा होता है । गवाह की और भी । मजबूरियां हो सकती है ।
4. जिसके कारण गवाह । पवित्र ग्रन्थों की कसम खाकर भी । झूँठ बोलता है ।
5. यह भी सही नही है । यहाँ भी । पवित्र ग्रन्थों का अपमान होता है ।
6. इस कारण भी । सच्चा न्याय होने की । सम्भावनायें कम है । इसीलिए

<u>सच्चाई उगलवाने के लिए पवित्र धार्मिक ग्रंथों की मदद लेना । सही नही है । इससे पवित्र धार्मिक ग्रन्थों का अपमान होता है ।</u>

तीसरा

1. मुजरिम और गवाह को । धार्मिक ग्रन्थों की कसम खिलाकर । ली गई गवाही के बाद भी । बहस होती है ।
2. गवाह को झूठा । भी साबित किया जाता है । सच्चे झूठे । सबूत भी पेस किये जाते है ।
3. यह भी । सही नही है । यहाँ भी पवित्र ग्रन्थों का अपमान होता है ।
4. यदि अदालत । पवित्र धार्मिक ग्रंथों का । मान रखने के लिए ।
5. मुजरिम को । पवित्र धार्मिक ग्रंथों की कसम देकर । दी गई गवाही को सच मानती है ।
6. तो भी । सच्चा न्याय होने की । सम्भावनायें कम है ।
7. क्योंकी रिस्वत खोरी । और भ्रष्टाचार के कारण । य गवाह पर । परिवारिक । समाजिक राजनीतिक । दबाव होने के कारण । गवाह को जान का खतरा होने के कारण । गवाह की और भी मजबूरियां होने के कारण ।
8. जिसके कारण गवाह । पवित्र ग्रन्थों की कसम खाकर भी । झूँठ बोलता है ।

मेरा भारत बदलाव

Copy Right Diary Number 3968/2015-CO/L

9. इस कारण भी । सच्चा न्याय होने की । सम्भावनायें कम है । इसीलिए

<u>सच्चाई उगलवाने के लिए पवित्र धार्मिक ग्रंथों की मदद लेना । सही नही है । इससे पवित्र धार्मिक ग्रन्थों का अपमान होता है ।</u>

चौथा

1. अपराधी । जज को । धन से प्रभावित करके । न्याय प्रक्रिया को । प्रभावित करने की कोशिश करते है ।
2. इस कारण भी । सच्चा न्याय होने की । सम्भावनायें कम है । इसीलिए

<u>सच्चाई उगलवाने के लिए पवित्र धार्मिक ग्रंथों की मदद लेना । सही नही है । इससे पवित्र धार्मिक ग्रन्थों का अपमान होता है ।</u>

निर्दोश नागरिक

1. लेखक विश्व के । य भारत के । किसी भी नागरिक को । दोशी नही मानता है ।
2. चाहे । सत्ताधारी नेता । विपक्ष नेता । सहयोगी नेता । य छोटे बडे नेताओं । उच्च न्ययाधीश । से चपरासी तक । जल । थल । वायु । तीनो सेना । तीनो सेनाओं के अध्यक्ष रास्ट्रपती । से कांसटेबल तक । सत्ता रूढ पार्टी के । पी एम से लेकर । नगर सेवक । प्रधान तक । छोटे । य बडे व्यापारी तक । हर सरकारी । य प्राइवेट कर्मचारी को । सरकारी य प्राइवेट डाक्टर । सरकारी य प्राइवेट वकील । सरकारी य प्राइवेट इन्जीनियर । सरकारी य प्राईवेट आर्कीटेक्ट । चार्टेटेड एकाउन्टेड सी ए । छोटे किसान से लेकर । बडे किसान तक । भिखारी । से लेकर पूंजीपती तक । य अन्य किसी भी नागरिक को । किसी को भी दोशी नही मानता है ।
3. हर नागरिक । देश भक्त है । सभी नागरिक । टैक्स देकर । देश को चलाने मे मदद करते है ।
4. दोश सिर्फ । धन की । स्वेच्छिक आजादी का है । सिस्टम खराब है । सिस्टम मे दोश है ।
5. सिस्टम दोशी होने के कारण । विश्व का हर नागरिक । न चाहते हुए भी । मजबूरी मे । खराब सिस्टम मे फँसता है । और पिसता है । और गलत बन जाता है ।
6. लेखक । भारत सरकार को भी । दोशी नही मानता है । भारत सरकार भी । बिगडे हुए सिस्टम का एक हिस्सा है । इसीलिए । भारत सरकार का भी । कहीं कोई । दोश नही है ।
7. आज विश्व मे । हमारी मेहनत की कमाई । जिसके भी हाँथ मे । चली जाये । वही व्यक्ति । उस धन का । मालिक बन जाता है ।
8. जीसियो नियम से । हमारे मेहनत की कमाई । हमारे अलावा । विश्व का । कोई भी व्यक्ति उपयोग । नही कर सकता ।
9. आज धन । जिसके हाँथ मे होता है । वही उस धन का । मालिक होता है ।

मेरा भारत महान

Copy Right Diary Number 3968/2015-CO/L

10. इसीलिए लेखक । विश्व के । किसी भी नागरिक को । दोशी नही मानता है । सिर्फ । सिस्टम को दोशी मानता है ।
11. यदि । किसी समूह के बारे मे । य भारत सरकार के बारे मे । लिखा गया है । तो सिर्फ । समस्या को । उजागर करने के उद्देश्य से । लिखा गया है ।
12. किसी को भी । दोशी बनाने के उददेश्य से । नही लिखा गया है ।
13. फिर भी यदि । किसी भी समूह को । य भारत सरकार को । बुरा लगे तो । लेखक को माफ करना ।
14. क्योंकि समस्त्योंओं को । उजागर करना जरूरी है ।
15. जीसियो नियम व्दारा । सिस्टम को सही करने से । विश्व का । प्रत्येक नागरिक सही रहेगा । और । राहत की साँस लेगा ।
16. लेखक । भारत सरकार को भी । दोशी नही ठहराता । क्योंकि सिस्टम खराब है ।
17. लेखक का । भारत सरकार से अनुरोध है । कि सिस्टम को सही करके । विश्व अग्रणी होने की तरफ । पहला कदम उठाये ।

जीसियो नियम से समाधान उपाय

1. नगद रूपया का चलन बंद होकर । कार्डों के आ जाने से । इन सभी समस्यायों का । अन्त हो जायेगा ।
2. कार्डों मे जमा हुई । कोई भी जानकारी अमिट होगी । उसे मिटाया नही जा सकता । उसमे डिलीट । य इरेजर को । कोई बटन नही होगा ।
3. कार्डों के आ जाने से । व्यक्ति के । हर लेन देन व्यव्हार की । हर जानकारी । कार्डों मे । अंकित रहेगी ।
4. उसी आधार पर । पुलिस । मुजरिम को अदालत मे पेश करेगी । और उसी आधार पर । मुजरिम का अदालत मे फैसला होगा ।
5. जीसियो नियम से । जज किसी भी दबाव मे आकर । गलत फैसला नही कर सकते ।
6. यदि पूरे भारत की सम्पत्ती । जज के सामने । रिस्वत के रूप मे रख दी जाये । तो भी जज गलत फैसला नही कर सकते ।
7. क्योंकी । सच और झूठ का फैसला । जीसियो नियम के । कार्डों मे अंकित । सबूतों के आधार पर होगा ।
8. तथा जजों के ऊपर । जान का भी । कोई खतरा नही रहेगा ।
9. जजों को सिर्फ । अपना दस्तखत मोहर करना है । और अपना फैसला सुनाना है ।
10. कार्डों की मदद से । अदालत मे सच्चा न्याय और । सच्चा फैसला होगा ।

मेरा भारत महान

Copy Right Diary Number 3968/2015-CO/L

अदालत के फैसले पवित्र धार्मिक ग्रन्थों पर

11. और पवित्र धार्मिक ग्रन्थों का । मुजरिमों और गवाहों व्दारा अपमान बन्द हो जायेगा ।

<u>लेखक का अदालत से । हाँथ जोडकर । नतमस्तक होकर बिनती है । कि पवित्र धार्मिक ग्रन्थों का अपमान बन्द किया जाये ।</u>

<u>सच्चे न्याय के लिए । पवित्र धार्मिक ग्रन्थों का सहारा न लिया जाये ।</u>

जय विश्व अग्रणी भारत की

मेरा भारत महान

Copy Right Diary Number 3968/2015-CO/L